

आहार की कुपोषणता से शरीर खराब होता है लेकिन संस्कार की कुपोषणता से देश व समाज खराब होता है- पं. प्रदीप मिश्रा

राजनांदगांव (दावा)। गौरव पथ रोड रिटर्न पश्चिमी आइटोरिटम में पिछले 4 दिनों से हो रहे श्री शिवमहापुराण कथा के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा ने सोमवार वी कथा में कहा कि जो आहार हम खाते हैं उससे यहि कुपोषणता रही तो उससे सिफर शीर खराब होता है लैकिन संस्कार विहिनता होने व इसकी कुपोषणता से देश प्रदेश व समाज खराब होता है।

महराज जी ने बताया कि बच्चों को धन-दीलत दें थे, घर, मकान, योग, कार सभी दे दिया जाने संस्कार नहीं दिया तो आगे कुछ नहीं दिया। ये सभी चीजों कुछ ही दिन चल पाएगा। इन चीजों की कुछ दिनों की ही गारंटी है लैकिन शिव

पुराण कहता है कि सुपोषणता संस्कार व अच्छे कर्मों के फल की जीवन भर तक की गारंटी रहती है। यह न केवल जीवन भर चलेगा, उसके आगे भी चलता है।

महराज जी ने उने व डेंट रहने की बात बताई व कहा कि गलत काम से डेर लैकिन भगवान शंकर पर एक लिटा जल चढ़ाने के लिए डेंट रहा। थोड़ी महलत हाथ की, बाकी कृपा भोलेनाथ की, कहने हुए पर्दंत जी ने बताया कि डर से जीने के लिए सभी डरते हैं। सास को बहु के प्रति भाई को भाइ से बाप को बेटे से डरने वाले लोग रहते हैं।

लैकिन डरे रहने से दुनिया का सामर्थ्य नहीं कि आगे दिया दिया।

महराज जी ने शहर की नीतिमा तिवारी भगवान शिव की कृपा बरसी और ये



० अच्छे कर्म की गारंटी जीवन भर व इसके आगे तक रहती है

० आज श्री शिवमहापुराण कथा का होगा? समापन, भन्तों की उमड़ेगी भीड़

लोग भगवान शिव की भक्ति कर रहे हैं गये और श्रीमती आशा भावान शिव में रोजाना एक लोटा जल चढ़ाकर शनिवार नौकरी भी पा गए।

पं. मिश्रा जी ने संस्कारधारी नारी में श्रीवाण मास में हो रही श्री शिव महापुराण कथा के संबंध में बताया कि शिव भक्त दिवेस साहू ने मुझसे आ कर कहा कि महराज जी जब आपको तीन कथा छहतीसाँगद में कहने की है तो यही बहुत भक्तों की भारी भीड़ रही।

बताया कि जहां ज्ञानाखंड में होनी थी। नहीं गुरु जी तिवारी, सुभद्रा जी के बेटे की नौकरी रहे और यहां मधुसूदन यादव के साथ अदि के संबंध में पत्रों की बात भी निकल रही। कथा आगे बढ़ती है। अगली कथा 12 से 16 अगली तक नया रायपूर में होनी वाली है।

महराज जी ने पुष्ट बहा अपने शिव भक्तों से मिलने की बात कही है।

पुराना ढाबा वार्ड से निकली महाकाल पालकी यात्रा से डॉ. रमन सिंह ने किया डमरु निनाद



मधुसूदन यादव के झांझ की झांकार से गुंजायामान हुआ माहाल

राजनांदगांव (दावा)। श्रावण मास की तीसरे सोमवार को बाबा महाकाल के भक्तों ने इस बाबा ढाबा वार्ड से मर्दि में पूजन अर्चन कर श्री चन्द्र मौलेश्वर बाबा महाकाल की भव्य पालकी यात्रा निकली। पटरी पार क्षेत्र में श्रावण सोमवार को निकली गई भव्य महाकाल यात्रा में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक व छ.ग. विधायकमध्ये अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने शामिल हुए और डमरु बजाकर सभी शिवभक्तों को आमंदित किया वहीं पूर्व सासां मधुसूदन यादव ने झांझ बजाकर माहाल पालकी यात्रा में पुराणा ढाबा, शानि नगर चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल पालकी यात्रा में शुभायामन किया। भगवान चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रा में शुभायामन ढाबा, शानि नगर चांद मौलेश्वर बाबा स्टेशन पारा सहित गुरीनगर के बड़ी संख्या में उपस्थित रहनारी पूरे भक्त भाव से शामिल हुए और डमरु बजाकर सभी शिव भक्तों से मिलने की बात कही है।

श्री चन्द्र मौलेश्वर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा जब चिखली चौक पहुंची तो महापौर श्रीमती हीरा देवमुख ने अपने परिवर्त वालों के साथ बाबा महाकाल की पालकी स्वागत करते हुए ऐसे भक्त-भाव के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान पालकी यात्रा में शामिल महाकाल यात्रियों की भी बांधन खाली रहती है। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी।

श्री चन्द्र मौलेश्वर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा जब चिखली चौक पहुंची तो महापौर श्रीमती हीरा देवमुख ने अपने परिवर्त वालों के साथ बाबा महाकाल की पालकी स्वागत करते हुए ऐसे भक्त-भाव के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान पालकी यात्रा में शामिल महाकाल यात्रियों की भी बांधन खाली रहती है। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी।

श्री चन्द्र मौलेश्वर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा जब चिखली चौक पहुंची तो महापौर श्रीमती हीरा देवमुख ने अपने परिवर्त वालों के साथ बाबा महाकाल की पालकी स्वागत करते हुए ऐसे भक्त-भाव के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान पालकी यात्रा में शामिल महाकाल यात्रियों की भी बांधन खाली रहती है। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी।

श्री चन्द्र मौलेश्वर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा जब चिखली चौक पहुंची तो महापौर श्रीमती हीरा देवमुख ने अपने परिवर्त वालों के साथ बाबा महाकाल की पालकी स्वागत करते हुए ऐसे भक्त-भाव के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान पालकी यात्रा में शामिल महाकाल यात्रियों की भी बांधन खाली रहती है। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी।

श्री चन्द्र मौलेश्वर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा जब चिखली चौक पहुंची तो महापौर श्रीमती हीरा देवमुख ने अपने परिवर्त वालों के साथ बाबा महाकाल की पालकी स्वागत करते हुए ऐसे भक्त-भाव के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान पालकी यात्रा में शामिल महाकाल यात्रियों की भी बांधन खाली रहती है। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी।

श्री चन्द्र मौलेश्वर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा जब चिखली चौक पहुंची तो महापौर श्रीमती हीरा देवमुख ने अपने परिवर्त वालों के साथ बाबा महाकाल की पालकी स्वागत करते हुए ऐसे भक्त-भाव के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान पालकी यात्रा में शामिल महाकाल यात्रियों की भी बांधन खाली रहती है। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी।

श्री चन्द्र मौलेश्वर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा जब चिखली चौक पहुंची तो महापौर श्रीमती हीरा देवमुख ने अपने परिवर्त वालों के साथ बाबा महाकाल की पालकी स्वागत करते हुए ऐसे भक्त-भाव के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान पालकी यात्रा में शामिल महाकाल यात्रियों की भी बांधन खाली रहती है। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी।

श्री चन्द्र मौलेश्वर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा जब चिखली चौक पहुंची तो महापौर श्रीमती हीरा देवमुख ने अपने परिवर्त वालों के साथ बाबा महाकाल की पालकी स्वागत करते हुए ऐसे भक्त-भाव के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान पालकी यात्रा में शामिल महाकाल यात्रियों की भी बांधन खाली रहती है। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी। बाबा चांद मौलेश्वर बाबा महाकाल यात्रियों की भी गुरु गुरु द्वारा ज्ञानांदगांव के लिए बहुत सारी योग्यता देवी देखी गयी।

श्री चन्द्र मौलेश्वर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा जब चिखली चौक पहुंची तो महापौर श्रीमती हीरा देवमुख ने अपने परिवर्त वालों के साथ बाबा महाकाल की पालकी स्वागत करते हुए ऐसे भक्त-भाव के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान पालकी यात्रा में शामिल महाकाल यात्रियों की भी बांधन खाली रहती है।

अनमोल दावा

“आप जीवन से कुछ नहीं
सीरकते हैं यदि आपको लगता
है कि आप हर समय सही है?

बादसों के लिए जिम्मेदार कौन: समय
रहते गौर किया गया होता तो टाली जा
सकती थी कोचिंग में बच्चों की मौत

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की नीतियों की सख्त आलोचना की और कहा कि आप बहुमूलिया इमरातों की मंजूरी दे रहे हैं, लेकिन नाली की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि जब चेवड़ी बांटने की संस्कृतिज के कारण कर संग्रह नहीं होता है तब ऐसी त्रासदियों होने स्वाभाविक है। इसमें बड़ी विडंबना व्या होगी कि जब हादसे की पृथक्खूमि बन रही होती है, तब सरकारी महकमे नींद में खो रहते हैं या किरकसी परोक्ष काणे से उसे नज़रबंद करते रहते हैं और जब कोई बड़ी त्रासद घटना हो जाती है तब वे जरूरत से ज्यादा सक्रिय दिखते हैं। अफसोसनाक यह भी है कि जो इमारतें अपनी बुनियाद में ही हादसे की जमीन साथ लिए होती हैं, उनके निर्माण के समय या फिर बाद में उनमें नियम-कायदों को ताक पर रख कर संचालित गतिविधियों की इन्जाजत दी जाती है और जब वहां हुए हादसे में जनमाल के नुकसान का मामला तूल पकड़ लेता है तब आनन-फानन में दिल्लीहीन कार्रवाई करने का दिखावा किया जाता है।

यह एक तरह से गलत तरीके से या लेनदेन आधारित लाभ पहुंचाने की अधिकारी व्यवस्था है, जिसके नीतियों में कोई त्रासदी सामने आती है। राजधानी दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में एक कोचिंग सेंटर में बसाता का पानी भर जाने की वजह से भारतीय प्रशासनिक सेवा की परिक्षाओं की तैयारी करने वाले तीन विद्यार्थियों की मौत की घटना इसी का उदाहरण है। इस मसले पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की नीतियों की सख्त आलोचना की और कहा कि आप बहुमूलिया इमरातों की मंजूरी दे रहे हैं, लेकिन नाली की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि जब चेवड़ी बांटने की संस्कृतिज के कारण कर संग्रह नहीं होता है तब ऐसी त्रासदियों होने स्वाभाविक है। जाहिर है, अदालत ने एक तरह से समस्या के कुछ बुनियादी कारणों की बात की, जिन पर अगर समय रहे गौर किया गया होता तो शायद हादसे की नीतवत नहीं आती और न विद्यार्थियों की जान जाती। यह छिपा नहीं है कि जब इमारतें बन रही होती हैं, तब उसमें नियम-कायदों को ताक पर रख कर संचालित गतिविधियों की इन्जाजत दी जाती है। यह उसमें एक जनहित याचिका की नीतियों की सख्त आलोचना की और कहा कि आप बहुमूलिया इमरातों की मंजूरी दे रहे हैं, लेकिन नाली की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। अदालत ने यह उन्हें कहा, अगर एक बात की संस्कृतिज के कारण कर संग्रह नहीं होता है तब ऐसी त्रासदियों होना स्वाभाविक है। जाहिर है, अदालत ने एक तरह से समस्या के कुछ बुनियादी कारणों की बात की, जिन पर अगर समय रहे गौर किया गया होता तो शायद हादसे की नीतवत नहीं आती और न विद्यार्थियों की जान जाती। यह छिपा नहीं है कि जब इमारतें बन रही होती हैं, तब उसमें नियम-कायदों को ताक पर रख कर भी अपनी सुविधा के मुताबिक निर्माण कर लिया जाता है। इस बात की फिक्र नहीं की जाती है कि यही लापरवाही भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी की वजह बन सकती है। इसमें सरकार के संबंधित महकमों के अधिकारियों की भी मिली-भिन्नता या अनदेखी होती है, जो ऐसे नियमों को गोकरने नहीं या फिर कई बार नियमों के विरुद्ध इन्जाजत दे देते हैं।

हैरानी की बात यह है कि जब इन वजहों से कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है और उस पर जनआत्रोग उभर जाता है, तब पूरी तेजी से कार्रवाई होती देखी जाती है। इस क्रम में कई बार दिखावे की कार्रवाई करके असली जिम्मेदार लोगों को एक तरह से बचाने की कोशिश की जाती है। राजेंद्र नगर के बेसमेंट में हुए हादसे के बाद वहां सामने की सड़क से ऊरजते एक बाहन चालक को बिना देरी किए गिरफ्तार किया गया, मगर उन अधिकारियों के खिलाफ इतनी ही तेज कार्रवाई करना जरूरी नहीं समझा गया, जिनकी अनदेखी, लापरवाही या फिर इन्जाजत से बेसमेंट में पुस्तकालय चल रहा था। दिल्ली हाई कोर्ट ने इस पहले पर भी सबल उठाया है। अब दिल्ली सरकार की ओर से यह कहा गया है कि राजधानी में संचालित कोचिंग केंद्रों को नियंत्रित करने के लिए कानून लाया जाएगा। उपराज्यपाल ने भी शहर में कोचिंग सेंटरों को विनियमित करने के लिए एक समिति बनाने की घोषणा की। सबल है कि अब तक कोचिंग सेंटरों की गतिविधियों को किस आधार पर सुरक्षा संबंधी जरूरी उपायों पर अमल करने की बाध्यता से बच्चा गया था और सरकारों की नींद किसी बड़ी त्रासदी के बाद ही क्यों खुलती है!

आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपको परिस्थितियों पहले से अनुकूल होंगी। व्यापारिक लेवल में आपको मेहरत से आज अधिक लाभ होगा। आज कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होने के बाये है। आज आपको अनुभवी लोगों का मास्टर्स बिलान मिलेगा। इसका संकारण असर आपके लिये बहुत बढ़ेगा।

आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज अधिक कामों पर जबाब देने देंगे। इससे उन सभी कामों की व्यापारी व्यवस्था बदल जाएगी। इससे उन सभी कामों की व्यापारी व्यवस्था बदल जाएगी। आपको फायदा मिलेगा। कोई उपलब्धि भी मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक रिसर्च में अधिक देखें।

आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज मीडिया, मार्केटिंग के विजेन्स से जुड़े लोगों के लिए सफलता का समय है। विजेन्स में आपका काम लेने से बदल जाएगी। इससे उन सभी कामों की व्यापारी व्यवस्था बदल जाएगी। आपको फायदा मिलेगा। कोई उपलब्धि भी मिल सकती है।

आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज मीडिया, मार्केटिंग के विजेन्स से जुड़े लोगों के लिए सफलता का समय है। विजेन्स में आपका काम लेने से बदल जाएगी। इससे उन सभी कामों की व्यापारी व्यवस्था बदल जाएगी। आपको फायदा मिलेगा। कोई उपलब्धि भी मिल सकती है।



मेष



कर्क



गुरु



मकर



वृषभ



सिंह



वृश्चिक



कुंभ



मिहुन



कन्या



धनु



मीन

क्रीमी लेयर क्या है, एससी-एसटी आरक्षण में इसे लागू करने पर क्या होगा असर?

आशय येड्गे

सुप्रीम कोर्ट ने एक अगस्त 2024 को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण बारे में ऐतिहासिक फैसले सुनाए हुए कहा कि सरकार इन समूदायों के आरक्षण सीमा के भीतर अलग से बाहर लेने के लिए आवश्यक है। यह एक योग्य विक्रिया है।

फैसला सुनाने समय यह सिपरिश भी की गई कि

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आरक्षण को अनुसूचित जाति और यह अन्य पिछड़े वर्गों की तरह, क्रीमी लेयर के पक्ष में फैसला सुनाया जावा के लिए आवश्यक है।

यह एक योग्य विक्रिया है। यह एक योग्य विक्रिया है।

फैसला सुनाने समय यह सिपरिश भी की गई कि

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आवश्यक है। यह एक योग्य विक्रिया है।

फैसला सुनाने समय यह सिपरिश भी की गई कि

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आवश्यक है। यह एक योग्य विक्रिया है।

फैसला सुनाने समय यह सिपरिश भी की गई कि

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आवश्यक है। यह एक योग्य विक्रिया है।

फैसला सुनाने समय यह सिपरिश भी की गई कि

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आवश्यक है। यह एक योग्य विक्रिया है।

फैसला सुनाने समय यह सिपरिश भी की गई कि

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आवश्यक है। यह एक योग्य विक्रिया है।

फैसला सुनाने समय यह सिपरिश भी की गई कि

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आवश्यक है। यह एक योग्य विक्रिया है।

फैसला सुनाने समय यह सिपरिश भी की गई कि

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आवश्यक है। यह एक योग्य विक्रिया है।

फैसला सुनाने समय यह सिपरिश भी की गई कि

अनुसूचित जाति और जनजाति के

जनसमस्या निवारण पखवाड़ा-प्रतिदिन वार्ड में शिविर

राजनांदगांव (दावा)। जन समस्या निवारण पखवाड़ा के तहत नगर निगम को टीम वार्डोंसभों की समस्या के नियकरण के लिये वार्डों में लगातार शिविर आयोजित कर रही है। एक दिन में 3-4 वार्डों के लिये एक स्थान पर आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में वार्डोंसी उपस्थित होकर मार्ग एवं शिक्षकात्मक के संबंध में आवेदन देते हैं। आज भ्रकापारा स्कूल में वार्ड नं. 27,28, 29 व 37 के लिये आयोजित शिविर में मार्ग एवं शिक्षायत के 105 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 32 आवेदन का शिविर में ही नियकरण किया गया। त्वरित नियकरण होने पर आवेदकों ने खुश होकर शिविर के लिये आवेदन की। शिविर में ही मेडिकल मोबाइल युनिट के माध्यम से 69 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

आज वार्ड नं. 27,28, 29 व 37 के लिये भ्रकापारा स्कूल में आयोजित शिविर में 105 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से जल विभाग के 3 आवेदन में अमृत मिशन के तहत 1 नल कनेक्शन लगाने एवं रामाधीन मार्ग व भ्रकापारा में नल में

पानी नहीं आने संबंधी 1-1 आवेदन, राशन कार्ड में नाम जाओड़े हुटाने संबंधी 15 व नया राशन कार्ड बनाने हेतु 8 कुल 23 आवेदन, जम्म प्रमाण पत्र बनाने 1, स्वयं के भूमि में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेने 27, भ्रन नजूल में पट्टा के लिये 1 तथा अतिक्रमण संबंधी 2, स्वास्थ्य के भाग के 4 में रामाधीन मार्ग दराहाग गली में कचरा उटाने, नाली सफाई तथा डोर दू डोर कचरा परिवर्तन संबंधी व नाली नियांग संबंधी 2, स्ट्रीट लाईट बंद संबंधी 3 आवेदन प्राप्त हुए। इसी प्रकार स्व रोजाना हेतु 10 हजार रुपये तक रुपये के लिये 8 आवेदन तथा श्रमिक कार्ड व आधार पंजीयन के 11-11 आवेदन व आयुष्मान कार्ड के 8 आवेदन प्राप्त हुए जिसका कार्ड बनाकर त्वरित नियकरण किया गया।

